नईदुनिया

नए साल में लगातार दूसरे दिन महंगा हुआ सोना, चांदी के भाव में बदलाव नहीं

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में नए साल पर लगातार दूसरे दिन सोना महंगा हुआ है। हालांकि चांदी के भाव में भी कोई बदलाव नहीं हुआ है। सोने की कीमत में 300 रुपये से लेकर 330 रुपये प्रति 10 ग्राम की उछाल दर्ज की गई है। सोने के भाव में आई तेजी की वजह से देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 78,480 रुपये से लेकर 78,330 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 71,950 रुपये से लेकर 71,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में बदलाव नहीं होने की वजह से दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत लगातार दूसरे दिन 90,500 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर ही बनी हुई है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 78,480 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 71,950 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 78,330 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 78,380 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 71,850 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 78,330 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 71,800 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 78,330 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 78,480 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 71,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 78,380 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है।

न्यूज ब्रीफ

इस साल उत्तरी मुंबई लोकसभा क्षेत्र के विकास में कई महत्वपूर्ण पहलों पर देना होगा जोर:गोयल

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने बताया कि उनके लोकसभा क्षेत्र के विकास में इस साल कई

महत्वपूर्ण पहलों पर काम होगा। उन्होंने झुग्गी-झोपड़ियों का पुनर्विकास, सड़क और रेलवे लाइनों का विस्तार जैसी मुख्य परियोजनाओं को लेकर मीडिया से चर्चा की। उन्होंने बयान किया कि इस साल उनके निर्वाचन क्षेत्र में कई बड़ी योजनाएं हैं, जिनमें झुग्गी-झोपड़ियों को पक्के मकान में बदलना भी शामिल है। गोयल ने बताया कि तेजी से लंबित परियोजनाओं का पुनरीक्षण करने के लिए वह मुंबई में सभी संबंधित विभागों के प्रमुखों से मिलेंगे। उन्होंने कहा कि चार जनवरी को उनके द्वारा लिए गए कदमों की समीक्षा की जाएगी और लंबित मुद्दों के लिए समयबद्ध कार्य योजना तैयार की जाएगी। मंत्री ने कहि कि हम चाहते हैं कि झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले लोगों को उसी स्थान पर पक्के मकान उपलब्ध करा सकें। हमारा लक्ष्य है जीवन को सुगम बनाने के लिए रेलवे स्टेशनों का विकास करना है। उन्होंने भी बताया कि उनके क्षेत्र में चार रेलवे स्टेशनों पर अमृत भारत स्टेशन योजना की शुरुआत होने वाली है। मंत्री ने व्यक्त किया कि उन्हें पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए विचार करने का भी मौका मिला है, क्योंकि उनके क्षेत्र में संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान और खूबसूरत समुद्र है।

इस साल मई-जून तक आ सकता है ईपीएफओ का मोबाइल ऐप्लिकेशन और डेबिट कार्ड

नई दिल्ली। केंद्रीय श्रम और रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा है कि ईपीएफओ के सब्सक्राइबर्स को इस साल मई-जून तक ईपीएफओ का मोबाइल ऐप्लिकेशन और डेबिट कार्ड की सुविधा मिल सकती है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अभी ईपीएफओ 2.0 पर काम चल रहा है और पूरे आईटी सिस्टम को अपग्रेड किया जा रहा है, जनवरी के आखिरी तक यह काम पूरा हो जाएगा। इसके बाद मई-जून तक ईपीएफओ 3.0 ऐप आएगा। इस ऐप के जरिए ईपीएफओ सब्सक्राइबर्स को बैंकिंग सुविधाएं मिलेंगी। हालांकि, ऐसा नहीं है कि एटीएम कार्ड मिलने पर सब्सक्राइबर अपने अंशदान का पूरा पैसा निकाल सकेंगे, क्योंकि इसके लिए एक लिमिट तय की जा सकती है। अच्छी बात है कि इस राशि को निकालने के लिए पहले की तरह ईपीएफओ की अनुमति लेने की जरूरत नहीं होगी। सरकार की इस पहल से ईपीएफओ सब्सक्राइबर्स को बड़ा फायदा होगा क्योंकि उन्हें पैसे निकालने के लिए फार्म भरने के झंझट से मुक्ति मिलेगी और न ही ऑफिस के चक्कर लगाने होंगे। इसके अलावा केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया ने बताया कि मोदी सरकार के 2014-24 के कार्यकाल के बीच 17.19 करोड़ नौकरियां लोगों को मिली। यह आंकड़ा यूपीए सरकार के कार्यकाल की तुलना में करीब 6 गुना ज्यादा की वृद्धि दिखाता है।

चीन में रियल एस्टेट संकट से लड़खड़ाई दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था

मुंबई। चीन तेज आर्थिक विकास के मामले में हमेशा आगे रहा है लेकिन अब उसे गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है। दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था अपने इतिहास के सबसे बड़े रियल एस्टेट के संकट से जूझ रही है। चीन के संपत्ति बाजार में पिछले तीन वर्षों में भारी गिरावट देखी गई है। 2021 से अब तक 18 ट्रिलियन डॉलर का अनुमानित घरेलू संपत्ति का नुकसान हुआ है, जो 2008-09 के वैश्विक वित्तीय संकट में अमेरिका द्वारा झेले गए नुकसानों से भी अधिक है। चीन की अर्थव्यवस्था पर वर्षों की अधिक कर्जदारी, अधिक निर्माण और अधिक उत्पादन क्षमता का बोझ है। ये समस्याएं घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर गंभीर परिणाम पैदा कर रही हैं। कई रियल एस्टेट कंपनियों पर भारी कर्ज है और संपत्तियों की मांग में कमी ने इस संकट को और बढ़ा दिया। चीन के कई हिस्सों में घोस्ट टाउन यानी खाली पड़े शहर निर्माण का उदाहरण हैं। वहीं औद्योगिक क्षेत्रों में उत्पादन क्षमता वास्तविक मांग से कहीं अधिक है, जिससे कीमतों और आर्थिक स्थिरता पर असर पड़ा है।

शेयर बाजार की तेजी पर ब्रेक सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट

निवेशकों को 1 दिन में 80 हजार करोड़ का नुकसान

नई दिल्ली

नए साल के पहले 2 दिन के दौरान बने तेजी के माहौल पर शुक्रवार को ब्रेक लग गया। के कारोबार की शुरुआत मामूली बढ़त के साथ हुई, लेकिन बाजार खुलने के बाद पूरे दिन बिकवाली का दबाव बना रहा। इसी वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक गिरावट का शिकार हो गए। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.90 प्रतिशत और निफ्टी 0.76 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए।

दिन भर के कारोबार के दौरान ऑयल एंड गैस, पीएसई और एनर्जी सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होती रही। इसके साथ ही कंज्यूमर ड्यूरेबल, एफएमसीजी और मेटल इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। दूसरी ओर आईटी, बैंकिंग और फार्मास्यूटिकल सेक्टर के शेयरों में लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा। इसके साथ ही ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स और टेक इंडेक्स भी कमजोरी के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में भी आमतौर पर दबाव बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.33 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.03 प्रतिशत की सांकेतिक गिरावट के साथ के कारोबार का अंत किया।

शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब 80 हजार करोड़ रुपये की कमी बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में

लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन के कारोबार के बाद घट कर 449.67 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी गुरुवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 450.47 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को के कारोबार से करीब 80 हजार करोड़ रुपये का नुकसान हो गया।

दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,103 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,117 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,866 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 120 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में 2,508 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,295 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,213 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 11 शेयर बढ़त के साथ और 19 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 21 शेयर हरे निशान में और 29 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

बीएसई का सेंसेक्स 129.28 अंक की मजबूती के साथ 80,072.99 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से ये सूचकांक गिरकर लाल निशान में पहुंच गया। सुबह 11 बजे के बाद कुछ देर के लिए खरीदारों ने लिवाली का जोर बनाने की कोशिश की, जिससे इस सूचकांक की चाल में सुधार होता हुआ नजर आया, लेकिन ये तेजी अधिक देर तक नहीं टिकी। दोपहर 12 बजे के बाद बिकवाली का दबाव एक बार फिर बढ़ गया, जिसके कारण ये सूचकांक नीचे गिरता चला गया। का कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले ये सूचकांक ऊपरी स्तर से 963.26 अंक लुढ़क कर 833.98 अंक की कमजोरी के साथ 79,109.73 अंक तक गिर गया। हालांकि आखिरी वक्त में इंट्रा-डे सेटलमेंट के कारण हुई खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक निचले स्तर से 110 अंक से अधिक की रिकवरी करके 720.60 अंक की गिरावट के साथ 79,223.11 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने 7.75 अंक की मामूली तेजी के साथ 24,196.40 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही बिकवाली शुरू हो जाने के कारण ये सूचकांक लाल निशान में गिर गया। 11 बजे तक बिकवाली के दबाव का सामना करने के बाद खरीदारों ने कुछ देर के लिए लिवाली का जोर बनाने की कोशिश भी की, लेकिन दोपहर 12 बजे के बाद बिकवाल एक बार फिर बाजार पर हावी हो गए। लगातार हो रही बिकवाली के कारण शाम 3 बजे तक ये सूचकांक 212.65 अंक लुढ़क कर 23,976 अंक तक पहुंच गया। हालांकि आखिरी वक्त में हुई खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक 25 अंक से अधिक की रिकवरी करके 183.90 अंक की कमजोरी के साथ 24,004.75 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

दिन भर के कारोबार के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से ओएनजीसी 5.21 प्रतिशत, टाटा मोटर्स 3.31 प्रतिशत, टाइटन कंपनी 1.85 प्रतिशत, एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस 1.79 प्रतिशत और हिंदुस्तान यूनिलीवर 1.53 प्रतिशत की मजबूती के साथ के टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, विप्रो 3.08 प्रतिशत, एचडीएफसी बैंक 2.48 प्रतिशत, टेक महिंद्रा 2.17 प्रतिशत, अडाणी पोर्ट्स 2.16 प्रतिशत और आईसीआईसीआई बैंक 1.98 प्रतिशत की कमजोरी के साथ के टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

डीएपी पर अतिरिक्त सब्सिडी बढ़ाने से कंपनियों को होगा लाभः किसान संगठन

नई दिल्ली

अखिल भारतीय किसान सभा ने कहा कि डाइ-अमोनियम फॉस्फेट (डीएपी) उर्वरक पर विशेष सब्सिडी बढ़ाने के केंद्र सरकार के फैसले से किसानों के हितों की रक्षा के बजाय कंपनियों का मुनाफा बढ़ेगा। किसान संगठन ने कहा कि अखिल भारतीय किसान सभा (एआईकेएस) का मानना है कि डाइ-अमोनियम फॉस्फेट पर विशेष सब्सिडी बढ़ाने के सरकार के फैसले से किसानों के हितों की रक्षा के बजाय कंपनियों का मुनाफा बढ़ेगा। एआईकेएस ने कहा कि नवंबर, 2012 से यूरिया की कीमत वैधानिक रूप से 266.50 रुपये प्रति 45 किलोग्राम बोरी तय की गई है, लेकिन म्यूरेट ऑफ पोटाश (एमओपी) की कीमतें 2009-10 में 4,455 रुपये प्रति टन से बढ़कर अगस्त, 2023 में 34,644 रुपये प्रति टन हो गई है। संगठन ने कहा कि डाइ-अमोनियम फॉस्फेट की कीमत 2009-10 में 9,350 रुपये से बढ़कर 2023 (अगस्त) में 27,000 रुपये प्रति टन हो गई। दूसरी ओर, पिछले तीन वर्षों में उर्वरक सब्सिडी में 87,339 करोड़ रुपये की भारी कटौती की गई है। बयान के अनुसार

डाइ-अमोनियम फॉस्फेट 2009-10 में 9,350 रुपये से बढ़कर 2023 अगस्त में 27,000 रुपये प्रति टन हुई

वित्त वर्ष 2022-23 के केंद्रीय बजट में (वास्तविक) उर्वरक सब्सिडी 2,51,339 करोड़ रुपये थी। जबकि 2023-24 के बजट में (संशोधित) में इस मद में व्यय केवल 1,88,894 करोड़ रुपये था। यह 2022-23 के मुकाबले 62,445 करोड़ रुपये कम था। 2024-25 के बजट अनुमान में उर्वरक सब्सिडी 1,64,000 करोड़ रुपये है, यानी यह भी इससे पिछले वित्त वर्ष के मुकाबले 24,894 करोड़ कम है। उल्लेखनीय है कि सरकार ने डीएपी उर्वरक को 1,350 रुपये प्रति बोरी के भाव पर किसानों तक पहुंचाने के लिए अतिरिक्त सब्सिडी को 31 दिसंबर, 2024 से आगे बढ़ाने का बुधवार को फैसला किया। इससे सरकारी खजाने पर 3,850 करोड़ रुपये तक का बोझ पड़ेगा।

धान खरीदी

धान खरीदी: समय पर भुगतान मिलने से खुश हैं किसान

ओएनडीसी पर अब तक सात लाख से अधिक विक्रेता और सेवा प्रदाता जुड़े

ओएनडीसी का उद्देश्य खुदरा ई-कॉमर्स के सभी पक्षों के लिए एक खुले मंच को बढ़ावा देना है

नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने कहा कि उसके ई-कॉमर्स मंच ओएनडीसी से अब तक सात लाख से अधिक विक्रेता और सेवा प्रदाता जुड़े चुके हैं। सरकार समर्थित पहल ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स (ओएनडीसी) की शुरुआत वर्ष 2021 में की गई थी। इसे मुख्य रूप से छोटे विक्रेताओं की डिजिटल कॉमर्स तक पहुंच आसान बनाने के लिए इसे स्थापित किया गया था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि ओएनडीसी ने छोटे व्यवसायों को सशक्त बनाने और ई-कॉमर्स में क्रांति लाने में योगदान दिया है। प्रधानमंत्री ने वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की एक पोस्ट पर अपनी टिप्पणी में कहा कि पिछले तीन वर्षों में इस मंच ने छोटे उद्यमों के लिए मुकाबले की समान परिस्थितियां बनाकर उन्हें सशक्त बनाया है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि ओएनडीसी ने छोटे व्यवसायों को सशक्त बनाने

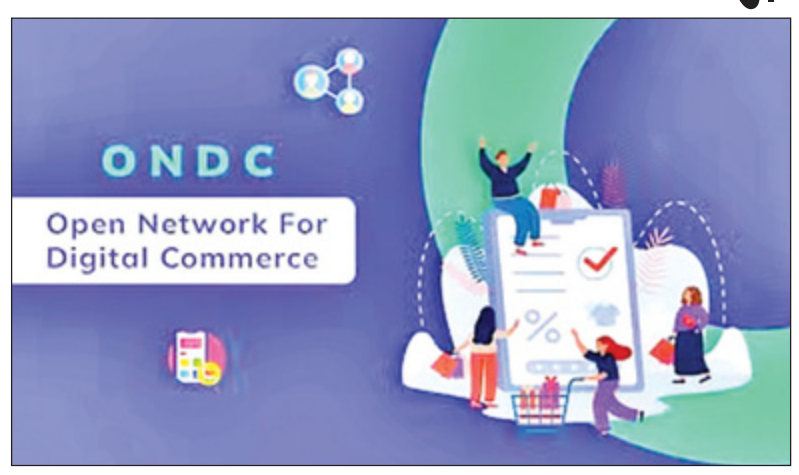

और ई-कॉमर्स में क्रांति लाने में योगदान दिया है। इस तरह यह वृद्धि और समृद्धि को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। गोयल ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा था कि पिछले तीन वर्षों में इस मंच ने नेटवर्क पर छोटे उद्यमों के लिए समान अवसर उपलब्ध कराकर उन्हें सशक्त बनाया है। ओएनडीसी का उद्देश्य खुदरा ई-कॉमर्स के सभी पक्षों के लिए एक खुले मंच को बढ़ावा देना है। यह छोटे खुदरा विक्रेताओं को ई-कॉमर्स से जोड़कर अपने व्यवसाय का विस्तार करने और इस क्षेत्र में दिग्गजों का वर्चस्व कम करने में मदद करता है।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशिया में भी मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से अभी तक मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान गिरावट के साथ बंद हुए। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स मामूली बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान तेजी बनी रही। एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार हो रहा है।

टेस्ला और एप्पल जैसे बड़े टेक शेयरों में आई जोरदार गिरावट के कारण अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार दबाव बना रहा। इस दबाव की वजह से डाउ जॉन्स दिन के ऊपरी स्तर से करीब 500 अंक टूट कर बंद हुआ। इसी तरह एसएंडपी 500 इंडेक्स ने 0.22 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 5,868.55 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 0.21 प्रतिशत फिसल कर 19,271.14 अंक के स्तर पर बंद हुआ। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.04 प्रतिशत की तेजी के साथ 42,410.69 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

अमेरिकी बाजार के विपरीत यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार खरीदारी होती रही।

एफटीएसई इंडेक्स 1.05 प्रतिशत उछल कर 8,260.09 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.18 प्रतिशत की तेजी के साथ 7,393.76 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 115.52 अंक यानी 0.58 प्रतिशत की बढ़त के साथ 20,024.66 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजारों में से 5 के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 2 सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। टोक्यो स्टॉक एक्सचेंज में छुट्टी होने की वजह से निक्केई इंडेक्स में कारोबार नहीं हो रहा है। गिफ्ट निफ्टी फिलहाल

अप्रैल-दिसंबर में निजी, वाणिज्यिक खदानों से कोयला उत्पादन 34 फीसदी बढ़ा

नई दिल्ली। चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-दिसंबर में निजी उपयोग वाली (कैप्टिव) और वाणिज्यिक खदानों से कोयला उत्पादन 34.2 प्रतिशत बढ़कर 13 करोड़ 10.5 लाख टन हो गया। एक साल पहले की समान अवधि में निजी उपयोग वाली और वाणिज्यिक खदानों से कोयला उत्पादन नौ करोड़ 76.65 लाख टन का हुआ था। कोयला मंत्रालय ने कहा कि दिसंबर में निजी उपयोग वाली और वाणिज्यिक खदानों से कोयला उत्पादन एक करोड़ 84 लाख टन का हुआ था। सरकार द्वारा जारी आठ प्रमुख उद्योगों के सूचकांक (आधार वर्ष 2011-12) के अनुसार, कोयला क्षेत्र ने एक साल पहले 185.7 अंक की तुलना में नवंबर, 2024 में 7.5 प्रतिशत (अस्थायी) की वृद्धि के साथ 199.6 अंक दर्ज किए हैं। कोयला उद्योग का सूचकांक अप्रैल-नवंबर, 2024 के दौरान 172.9 अंक पर पहुंच गया, जबकि पिछले वर्ष इसी अवधि के दौरान यह 162.5 अंक था, जो सभी आठ प्रमुख उद्योगों में 6.4 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

143 अंक यानी 0.59 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 24,154 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.46 प्रतिशत टूट कर 3,247.54 अंक के स्तर तक गिर गया है। इसके अलावा स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.04 प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ 3,799.25 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

दूसरी ओर, हैंग सेंग इंडेक्स 177.50 अंक यानी 0.90 प्रतिशत की तेजी के साथ 19,800.82 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 154.96 अंक यानी 0.68 प्रतिशत की बढ़त के साथ 22,987.02 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। कोस्पी इंडेक्स ने जोरदार छलांग लगाई है। फिलहाल ये सूचकांक 2.16 प्रतिशत उछल कर 2,450.77 अंक के स्तर पर पहुंच गया है। इसके अलावा सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.23 प्रतिशत की मजबूती के साथ 1,383.01 अंक के स्तर पर और जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.18 प्रतिशत की बढ़त के साथ 7,175.88 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

मेसर्स दैनिक नईदुनिया के लिए प्रकाशक अपूर्व तिवारी के द्वारा 2, इंदिरा प्रेस काम्पलेक्स, महाराणा प्रताप नगर, भोपाल- 462011 से प्रकाशित एवं मुद्रक डॉ. विश्वास तिवारी के द्वारा नईदुनिया प. प्रा.लि., 2, इंदिरा प्रेस काम्पलेक्स, महाराणा प्रताप नगर, भोपाल-462011 से मुद्रित। प्रबंध संपादक: डॉ. सुरेन्द्र तिवारी एवं संपादक: अपूर्व तिवारी। *
फोन-0755-2550900-01,-03, फैक्स नं.- 0755-2553914 e-mail : naidunia@gmail.com (* समाचार पत्र से संबंधित सभी प्रकार के विवादों के लिए न्याय क्षेत्र सिर्फ भोपाल होगा।) रजिस्टर्ड नं.म.प्र./296/भोपाल/2012-2014 आर.एन.आई. रजि. क्र. 47694/88, डाक पंजीयन क्र. म.प्र./भोपाल/296/2015-2017